# नवजात के श्वास का आंकलन

# उद्देश्य

- नवजात शिशु की श्वसन का आंकलन जानना।
- सामान्य श्वसन दर जानना।

# श्वसन का आंकलन

- नवजात के जन्म के तुरंत बाद श्वास का आंकलन इस प्रकार करें–
  – नवजात के रोने से
  – नवजात की छाती के ऊपर नीचे होने से

# श्वसन का आंकलन

| आंकलन | निर्णय |
|---|---|
| नवजात तेजी से रो रहा है | नवजात सामान्य है, सामान्य देखभाल (रुटीन केयर) करेंगे |
| नवजात रो नहीं रहा पर उसकी श्वास 30 से 59 प्रति मिनिट है | नवजात सामान्य है, सामान्य देखभाल (रुटीन केयर) करेंगे |
| नवजात गेस्पिंग कर रहा है | तुरंत पुनर्जीवन प्रक्रिया आरम्भ करेंगे |
| नवजात नहीं रोया व श्वास नहीं चल रही | तुरंत पुनर्जीवन प्रक्रिया आरम्भ करेंगे |

# सामान्य व असामान्य श्वसन

| सामान्य श्वसन | असामान्य श्वसन |
| --- | --- |
| नवजात का जन्म के बाद तेज रोना | नवजात का जन्म के बाद नहीं रोना |
| श्वसन के साथ छाती का ऊपर उठना | श्वसन के साथ छाती का ऊपर नहीं उठना |
| त्वचा का रंग गुलाबी होना | त्वचा का रंग नीला होना |
| हृदय गति का सामान्य होना | श्वसन में गरगराहट की आवाज आना |

# सामान्य श्वसन दर

| आयु | श्वास की दर प्रति मिनट |
|---|---|
| 0 से 59 दिन | 40 से 59 |
| 60 दिन से 1 वर्ष | 30 से 49 |
| 1 से 5 वर्ष | 30 से 39 |

# श्वास गिनने का तरीका

1 नवजात की श्वास गिनने के लिए सब से पहले नवजात को आरामदायक स्थिति में रखें।

2 नर्स ऐसी जगह खड़ी हो जहां से वह नवजात की श्वास की गति को आसानी से देख सके।

3 श्वसन दर गिनते समय नवजात रोता हुआ नहीं होना चाहिए, रोने के कारण श्वास अधिक हो सकती है।

4 ऐसी घड़ी चुनें जिसमें सेकण्ड वाली सुई हो।

# श्वास गिनने का तरीका

5 नवजात की छाती के उपर नीचे होने पर ध्यान दें कि नवजात की छाती दोनों तरफ से फूलनी चाहिए।

6 घड़ी उतार कर हाथ में लें और उस जगह के पास व सीध में रखें जिस हिस्से से आपको नवजात की श्वास गिननी है, ताकि आप एक ही नजर में घड़ी व नवजात की छाती को एक साथ देख सकें।

# श्वास गिनने का तरीका

7 श्वास पूरे एक मिनिट तक गिनें। इसे आधा मिनिट गिनकर दुगना करने का प्रयास न करें, क्योंकि नवजात की श्वास एक क्रम में न होकर कभी यह तेज या कभी धीमी हो जाती है तथा कभी नवजात श्वास रोक लेता है।

8 0 से 2 माह के नवजात में यदि श्वास दर ज्यादा है तो श्वास एक बार फिर गिनें तथा इसे तभी ज्यादा माने जब यह दूसरी बार में भी ज्यादा हो।

# ए.आर.आई. टाईमर

1 यह नवजात की श्वास गिनने का एक बहुत ही उपयोगी उपकरण है, इसके उपलब्ध होने पर घड़ी की आवश्यकता नहीं होती है।

2 समय का ध्यान ए.आर.आई. टाईमर की आवाज सुनकर ही रखा जा सकता है।

3 इसे आसानी से गले में डाल कर रखा जा सकता है।

4 ए.आर.आई. टाईमर से श्वास गिनते समय नवजात की छाती पर ऐसी जगह पर नजर जमाए जहां आप छाती को ऊपर नीचे होते आराम से देख सकें।

# ए.आर.आई. टाईमर का उपयोग

5 इससे श्वास गिनते समय केवल छाती पर ही नजर बनाए रखना होता है, जिससे श्वास गिनते समय चूक की संभावना नहीं होती व सभी श्वासों को आसानी से गिना जा सकता है।

6 ए.आर.आई. टाईमर आंरम्भ होते ही बीप–बीप की आवाज सुनाई देने लगती है बीप की आवाज सुनाई देने पर श्वास गिनना शुरु करें।

# ए.आर.आई. टाईमर का उपयोग

7 आधे मिनिट के बाद एक लम्बी बीप की आवाज सुनाई देती है। एक मिनिट के बाद तेज लम्बी बीप की तीन आवाज सुनाई देंगी तब हम श्वास गिनना बंद कर देंगे।

8 ए.आर.आई. टाईमर आंरम्भ होते ही बीप–बीप की आवाज सुनाई देने से लेकर एक मिनिट के बाद तेज लम्बी बीप की तीन आवाज सुनाई देने तक जो श्वास गिनी थी वह नवजात की श्वसन दर होगी।

# धन्यवाद